PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

# चाँदनी में गरम खीर

**Authors:** Mala Kumar, Manisha Chaudhry
**Illustrator:** Priya Kuriyan
**Translator:** Rajesh Khar

पठन स्तर २

अब बारिशें रुक चुकी हैं और अभी सर्दी का मौसम नहीं आया है। इस मौसम को पतझड़ कहते हैं। संस्कृत में इसे शरत ऋतु का नाम दिया गया है।

आ...छि...! मुझे ज़ुकाम है। लगता है मौसम बदलने से बहुत लोग बीमार पड़ रहे हैं। मेरी दादी कहती हैं कि दशहरा आने तक सभी बच्चे ठीक हो जायेंगे।

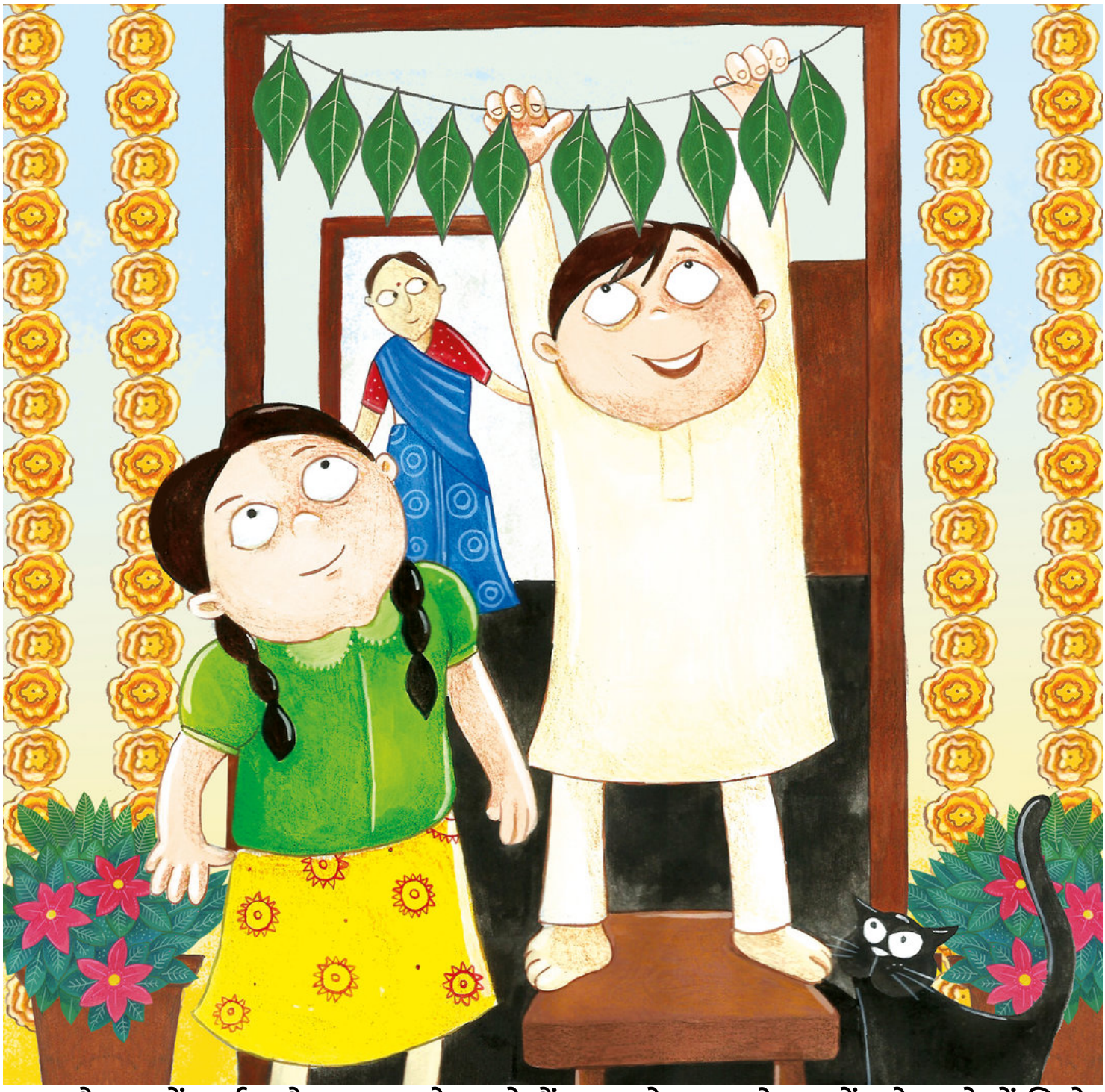

इस मौसम में कई त्यौहार मनाये जाते हैं। मनु ने आम के पत्तों को धागे में पिरो कर हमारी चौखट पर टाँगने के लिए एक तोरण बनाया है। मुझे लगता है कि हमारा तोरण दुनिया में सबसे सुन्दर है!

देखो तो आकाश कितना नीला दिखता है। और वो सफ़ेद चमकदार बादल रूई के बड़े-बड़े गोलों जैसे दिखते हैं। सब कुछ कितना शान्त है। आज रात को हम शरत पूर्णिमा का पर्व मनाएँगे। इसे खोजागिरी भी कहते हैं। भरे-पूरे चाँद की चाँदनी से सब चीज़ें चाँदी सी चमक उठेंगी। हम सब सारी रात जागेंगे। नारियल, चावल और दूध जैसी स़फेद चीज़ों से बनी गरम खीर के कटोरे भर-भर खाएँगे।

मीरा आज ओणम मना रही है। ओणम खुशी का त्यौहार है जो केरल वासी मनाते हैं। उसके परिवार ने फूलों से पूकलम नाम की एक सुन्दर सी रंगोली बना रखी है। वह कहती है कि यह साल का वह समय है जब फसलें पक जाती हैं और सभी के घर खाने को अनाज होता है। यही समय है जब केरल की विख्यात नौका दौड़ आयोजित होती है। क्या मज़ा आता है! है ना? मेरा भी त्यौहार मनाने का मन कर रहा है।

दशहरे की छुट्टियाँ शुरू हो गई हैं। घर पर हम सब मिल कर दशहरा का गोलू सजाने की तैयारी कर रहे हैं। तमिलनाडु में तीन से नौ सीढ़ियों पर यह गुड़ियों की झाँकी सजाई जाती है। दशहरा के दिन यानि नौरात्रों के दसवें दिन, मनु और मैं शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू करेंगे। मैं मृदंगम बजाना चाहती हूँ। मृ-दं-गम! धम, धम, धम! मनु बाँसुरी बजाना सीखना चाहता है। और जानते हो, अम्मा स्कूटर चलाना सीखना चाहती हैं!

जल्दी ही दीपावली आने वाली है। अँधेरी रात में जब सभी घर दियों और मोमबत्तियों से जगमगाते हैं तो बड़े ही सुन्दर लगते हैं। कुछ लोग बिजली की बत्तियाँ लगाते हैं, जो जलती-बुझती रहती हैं! मुझे पटाखे चलाना भी अच्छा लगता है। पर हमारे शिक्षक कहते हैं कि पटाखे चलाने से हवा गन्दी हो जाती है।

वे कहते हैं कि यदि हम पानी, हवा और ज़मीन का ध्यान नहीं रखेंगे तो कुछ वर्षों में सभी मौसम बदल जायेंगे। पता नहीं कि ऐसा कैसे होगा! अब थोड़ी सर्दी होने लगी है। शरत ऋतु के बाद वर्षा और शीत के बीच के इस मौसम को संस्कृत में हेमंत ऋतु कहते हैं। भारत में हेमंत ऋतु थोड़े ही दिनों की होती है। सर्दियों का मौसम आने ही वाला है।

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

## Story Attribution:

This story: चाँदनी में गरम खीरis translated by Rajesh Khar . The © for this translation lies with Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Kheer on a Full Moon Night', by Mala Kumar, Manisha Chaudhry . © Pratham Books , 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

## Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. Pratham Books is a not-for-profit organization that publishes books in multiple Indian languages to promote reading among children. www.prathambooks.org

## Images Attributions:

Cover page: Girl on terrace looking at the full moon at night by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl sneezing in autumn in a garden as grandmother looks on by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Boy standing on a stool to hang leaves on the door frame while girl and mother observe by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl on terrace with black cat looking at the full moon at night , by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girls and lady making a rangoli with flowers, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Families arranging dolls on steps for a festival by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Family and friends lighting lamps and bursting crackers for festival by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl sitting with grandmother in winter near bonfire by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

# चाँदनी में गरम खीर

(Hindi)

ऋतुचक्र यानि मौसमों का चक्र। हमारे देश में हर मौसम के आने को लोग अलग-अलग तरह से मनाते हैं। ऋतुचक्र श्रृंखला में प्रकृति के इन ख़ास उपहारों, रंगों, त्यौहारों और भारत के रीति-रिवाजों का मज़ा लीजिये।मैं मृदंगम बजाना चाहती हूँ, धम, धमाधम धम और पता है अम्मा स्कूटर चलाना सीखना चाहती हैं! कब? दशहरा के दिन और दशहरा आ रहा है...!

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!